आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में हुआ एक दिवसीय सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

जन सागर दुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के ऑथोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सी.डी.ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय कॉम्प्रेहैन्सिव ऑथोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एन.सी.आर. के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी.डी.एस. एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच.ओ.डी. तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। डॉ. कन्नन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरूआत ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग की एच.ओ.डी. डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी।

साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एम.डी.एस. छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑथोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानी पूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ. कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑथोडॉंटिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

कार्यवाही शुरू की। महापौर आशा शर्मा जी तथा नगर प्राप्त हुई है, जलकल विभाग तथा गया।

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सी0डी0ई0 कार्यक्रम का आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता

गाजियाबाद। आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा दिनांक 24 अगस्त, 2022 को एक दिवसीय सी0डी0ई0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय ''कॉम्प्रेहेन्सिव ऑर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज़ पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप'' था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एन0सी0आर0 के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी0डी0एस0 एवं एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच0ओ0डी0 तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो0 डॉ0 एम0एम0 कज़न चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता हैं। वह डेंटिस्ट्री और ऑर्थोडोन्टिक्स में एक विशिष्ट शैक्षिक करियर रखते हैं। डॉ0 कज़न ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम की शुरुआत ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एच0ओ0डी0 डॉ0 पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी।

साइंटिफिक एक्सट्रावगेंज़ा में एम0डी0एस0 छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ0 कज़न ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑर्थोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंग एप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ0 कज़न ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑर्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो0 डॉ0 एम0एम0 कज़न ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस कॉलेज में सीडीई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय कॉम्प्रेहैन्सिव ऑर्थोडॉन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली - एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक

करियर रहा है। डॉ. कन्नन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरूआत ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एचओडी डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। डॉ. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑर्थोडॉन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया ' कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ ' जिसके लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में

एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के विभिन्न डेंटल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल हूये

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग द्वारा बुधवार को एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय कॉम्प्रेहैन्सिव ऑथोडॉन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के विभिन्न डेंटल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डा. एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और ऑथोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरूआत ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग की एचओडी डा. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डा. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडौन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डा. कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डा. एमएम कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

कोरोना का संक्रमण कम हुआ लिए गांव–गांव में प्रचार–प्रसार ाकारी उपस्थित रहे। जाएगी।

सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

वर्तमान सत्ता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा कल एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय ''कॉम्प्रेहैन्सिव ऑर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नालॉजी–द एक्सपैंडिंग एनवलप'' था। इस कार्यक्रम में दिल्ली–एन0सी0आर0 के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी0डी0एस0 एवं एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों के साथ–साथ सभी दंत विभागों के एचओडी0 तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो0 डॉ0 एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। डॉ0 कन्नन ने राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरुआत ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एच0ओ0डी0 डॉ0 पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एम0डी0एस0 छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ0 कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑर्थोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर–तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ–लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर–तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग–अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ0 कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑर्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो0 डॉ0 एम0एम0 कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई0टी0एस0–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के ऑथोडौन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोर्पेडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय ह्यह्यकॉम्प्रेहैन्सिव ऑथोडौन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था।कार्यक्रम में दिल्ली- एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो0 डॉ0 एमएम कन्नन रहे।कार्यक्रम की शुरूआत ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोर्पेडिक्स विभाग की एचओडी डॉ0 पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी।साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ0 कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑथोडौन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत से जानकारी देते हुए बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडौन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ0 कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑथोडौंटिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो0 डॉ0 एमएम कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया ।आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

कोरोना का संक्रमण कम हुआ लिए गांव–गांव में प्रचार–प्रसार ाकारी उपस्थित रहे। जाएगी।

सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

वर्तमान सत्ता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा कल एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय ''कॉम्प्रेहैन्सिव ऑर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नालॉजी–द एक्सपैंडिंग एनवलप'' था। इस कार्यक्रम में दिल्ली–एन0सी0आर0 के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी0डी0एस0 एवं एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों के साथ–साथ सभी दंत विभागों के एचओडी0 तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो0 डॉ0 एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। डॉ0 कन्नन ने राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरुआत ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एच0ओ0डी0 डॉ0 पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एम0डी0एस0 छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ0 कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑर्थोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर–तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ–लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर–तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग–अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ0 कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑर्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो0 डॉ0 एम0एम0 कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई0टी0एस0–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का किया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज के एंड डेंटोफेशियल आथोर्पेडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय कॉम्प्रेहैन्सिव आथोर्पेडिक्स ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और आथोर्पेडिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। डॉ. कन्नन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये है। कार्यक्रम की शुरूआत आथोर्पेडिक्स की एचओडी डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को आथोर्पेडिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे आथोर्पेडिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवांसिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ. कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल आथोर्पेडिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डॉ. एमएम कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ.आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।